पाली जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. पाली - मारवाड़

पारंपरिक पद्धति द्वारा
लंपी त्वचा रोग
का उपचार

क खिलाए जाने वाला मिश्रण
(न्यूनतम एक घंटे के अंतराल पर बारी-बारी खिलाएं)

1 पहली विधि

सामग्री: (एक खुराक के लिए)
पान का पत्ता - 10 पत्ता, काली मिर्च - 10 ग्राम, नमक - 10 ग्राम, गुड़ - आवश्यकतानुसार

तैयार करने की विधि:
- ऊपर लिखी गई सामग्री को पीस कर पेस्ट बना लें और गुड़ मिला दें
- इस तैयार मिश्रण को अपने पशु को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खिलाएं
- पहले दिन इसकी एक खुराक हर 3 घंटे पर पशु को खिलाएं
- दूसरे दिन से दो सप्ताह तक पशु को दिनभर में तीन खुराक दें
- प्रत्येक खुराक ताजा तैयार करें

नमक

काली मिर्च

गुड़

पान के पत्ते

2 दूसरी विधि

सामग्री: (दो खुराक के लिए)
लहसुन -2 कलियाँ, धनिया -10 ग्राम, जीरा -10 ग्राम, तुलसी का पत्ता -1 मुट्ठी, तेज पत्ता -10 ग्राम, काली मिर्च -10 ग्राम, पान का पत्ता -5, छोटा प्याज -2 नग, हल्दी पाउडर -10 ग्राम, चिरायता के पत्ते का पाउडर -30 ग्राम बेसिल का पत्ता -1 मुट्ठी, बेल का पत्ता -1 मुट्ठी, नीम का पत्ता -1 मुट्ठी, गुड -100 ग्राम

तैयार करने की विधि:
- ऊपर लिखी गई सामग्री को पीस कर पेस्ट बना लें और गुड़ मिला दें
- थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पेस्ट को पशु को खिलाएं
- पहले दिन इसकी एक खुराक हर 3 घंटे पर पशु को खिलाएं
- दूसरे दिन से प्रतिदिन 2 खुराक पशु की स्थिति में सुधार आने तक खिलाएं (एक सुबह और एक शाम)
- प्रतिदिन खुराक ताजा तैयार करें

बेल के पत्ते

लहसुन

हल्दी पाउडर

चिरायता के पत्ते

पान के पत्ते

काली मिर्च

तेज पत्ता

तुलसी के पत्ते

छोटा प्याज

गुड़

बेसिल के पत्ते

नीम के पत्ते

जीरा

धनिया

तैयार करने की विधि:
सभी सामग्रियों को पीसकर पेस्ट बना लें तत्पक्षात इसमें 500 मिली नारियल अथवा तिल का तेल मिलाकर उबालें और ठंडा कर लें

लगाने की विधि:
घाव को अच्छी तरह साफ करने के बाद इस मिश्रण को सीधे घाव पर लगाएं

यदि घाव में कीड़े दिखाई दें:
यदि घाव में कीड़े दिखाई दें तो पहले दिन नारियल के तेल में कपूर मिलाकर लगाएं अथवा सीताफल की पत्तियों को पीसकर पेरट बनाकर लगाएं

सीताफल की पत्तिया

ख घाव पर लगाए जाने वाला मिश्रण
(यदि घाव है तो)

सामग्री:
कुप्पी का पत्ता-1 मुट्ठी, लहसुन-10 कलियाँ, नीम का पत्ता-1 मुट्ठी, नारियल / तिल का तेल-500 मिली, हल्दी पाउडर-20 ग्राम, मेहँदी का पत्ता-1 मुट्ठी, तुलसी का पत्ता-1 मुट्ठी

लहसुन

हल्दी पाउडर

नीम के पत्ते

कुप्पी के पत्ते

नारियल तेल

अथवा

तिल का तेल

मेहँदी के पत्ते

तुलसी के पत्ते

दिशानिर्देश :–
1. प्रभावित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से दूर अलग बाडें में रखना चाहिए।
2. लम्पी रोग से पशुओं के बचाव के लिए फिटकरी एवं नीम की पतियों के घोल से छिड़काव करना चाहिए एवं संक्रमित पशुओं को नहाना चाहियें।
3. सोडियम हाइपो क्लोराईड सोल्यूशन का छिड़काव करे।

निवेदक :–

(राजेन्द्र सिंह राठौड)
प्रबन्ध संचालक

सरस

(प्रतापसिंह बिठियां)
अध्यक्ष